॥ भगवान विष्णु जी की आरती ॥

ॐ जय जगदीश हरे, स्वामी! जय जगदीश हरे।
भक्तजनों के संकट क्षण में दूर करे॥

जो ध्यावै फल पावै, दुख बिनसे मन का।
सुख-संपत्ति घर आवै, कष्ट मिटे तन का॥ ॐ जय...॥

मात-पिता तुम मेरे, शरण गहूं किसकी।
तुम बिन और न दूजा, आस करूं जिसकी॥ ॐ जय...॥

तुम पूरन परमात्मा, तुम अंतरयामी॥
पारब्रह्म परेमश्वर, तुम सबके स्वामी॥ ॐ जय...॥

तुम करुणा के सागर तुम पालनकर्ता।
मैं मूरख खल कामी, कृपा करो भर्ता॥ ॐ जय...॥

तुम हो एक अगोचर, सबके प्राणपति।
किस विधि मिलूं दयामय! तुमको मैं कुमति॥ ॐ जय...॥

www.ShivNirvana.com

॥ भगवान विष्णु जी की आरती ॥

दीनबंधु दुखहर्ता, तुम ठाकुर मेरे।
अपने हाथ उठाओ, द्वार पड़ा तेरे॥ ॐ जय...॥

विषय विकार मिटाओ, पाप हरो देवा।
श्रद्धा-भक्ति बढ़ाओ, संतन की सेवा॥ ॐ जय...॥

तन-मन-धन और संपत्ति, सब कुछ है तेरा।
तेरा तुझको अर्पण क्या लागे मेरा॥ ॐ जय...॥

जगदीश्वरजी की आरती जो कोई नर गावे।
कहत शिवानंद स्वामी, मनवांछित फल पावे॥ ॐ जय

www.ShivNirvana.com

॥ Bhagwan Vishnu Ji Ki Aarti ॥

ॐ Jai Jagdish Hare,Swami! Jai Jagdish Hare ।
Bhakt janon ke sankat, Kshan mein door kare ॥ ॐ Jai... ॥

Jo dhyavai phal pavai, Dukh binse man ka ।
Sukh-sampatti ghar aavai, Kasht mite tan ka ॥ ॐ Jai... ॥

Mata-pita tum mere, Sharan gahun kiski ।
Tum bin aur na dooja, Aas karun jiski ॥ ॐ Jai... ॥

Tum pooran parmatma, Tum antaryami ।
Parabrahm parmeshwar, Tum sabke swami ॥ ॐ Jai... ॥

Tum karuna ke sagar, Tum palankarta ।
Main moorakh khal kaami, Kripa karo bharta ॥ ॐ Jai... ॥

Tum ho ek agochar,Sabke praanpati ।
Kis vidhi miloon dayamay, Tumko main kumati ॥ ॐ Jai... ॥

www.ShivNirvana.com

॥ Bhagwan Vishnu Ji Ki Aarti ॥

Deenbandhu dukh harta, Tum Thakur mere ।
Apne haath uthao, Dwar pada tere ॥ ॐ Jai... ॥

Vishay vikar mitao, Paap haro deva ।
Shraddha-bhakti badhao, Santan ki seva ॥ ॐ Jai... ॥

Tan-man-dhan aur sampatti, Sab kuch hai tera ।
Tera tujhko arpan, Kya laage mera ॥ ॐ Jai... ॥

Jagadishwarji ki aarti, Jo koi nar gavae ।
Kahat Shivanand Swami, Manvanchhit phal pavae ॥ ॐ Jai... ॥